[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 870 **B**

Unique Paper Code : 62051201

Name of the Paper : Hindi Kavita (Madhyakal Aur Aadhunik Kaal)

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi**

Semester : II

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

1. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :- (10×2=20)

(क) सांई सूँ सब होत है, बंदे थ कछु नाहिं ।
राई थै परबत करै, परबत राई माँहि ।।

(ख) स्वारथु, सुकृत न, श्रमु वृथा, देखिए बिहंग! बिचारि ।
बाज पराऐं पानि परि, तूँ पच्छीनु न मारि ।।

P.T.O.

(ग) यवन को दिया दया का दान चीन को मिली धर्म की दृष्टि।
मिला था स्वर्ण भूमि को रत्नशील की सिंहल को गीतसृष्टि।
किसी का हमने छीना नहीं, प्रकृति का रहा पालना यहीं।
हमारी जन्मभूमि थी यहीं, कहीं से हम आये थे नहीं।।

(घ) जी, गीत जनम का लिखूँ मरण का लिखूँ
जी, गीत जीत का लिखूँ शरन का लिखूँ
यह गीत रेशमी है, यह खादी का
यह गीत पित्त का है, यह बादी का।
है गीत बेचना वैसे बिल्कुल पाप
क्या करूँ मगर, लाचार हार कर
गीत बेचता हूँ।

2. सूरदास की भक्ति भावना पर विचार कीजिए।

अथवा

पाठ्यक्रम में निर्धारित दोहों के आधार पर तुलसीदास की काव्यकला पर प्रकाश डालिए। (12)

3. बिहारी रससिद्ध कवि हैं, स्पष्ट कीजिए।

अथवा

घनानंद की शृंगार भावना पर प्रकाश डालिए। (12)

4. 'रइसों के सपूत' कविता में निहित व्यंग्य का विवेचन कीजिए।

अथवा

'बीती विभावरी जाग री' कविता का काव्य-सौंदर्य लिखिए। (12)

5. 'उनको प्रणाम' कविता में नागार्जुन ने यथार्थ को किस प्रकार अभिव्यक्त किया है ?

अथवा

जो बीत गई सो बात गई' कविता का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए। (12)

6. बिहारी और नागार्जुन का साहित्यिक परिचय दीजिए। (7)